

॥ भट्टिकाव्यं ॥

॥ अस्य टीका जयमङ्गलरचिता जयमङ्गला ॥

॥ भरतमल्लिकनिर्मिता मुग्धबाधिनो च ॥

---

॥ तस्य प्रथमो भागः ॥

---

॥ कलिकाता राजधान्यां कमिटोसा हेवानामाज्ञया

दण्डकेशन् यन्त्रालये मुद्रितः ॥

---

॥ सम्वत्सरे १८८४ शके १७४६ ॥